Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
BD-301

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination December – 2022

B.A. Darshan, Semester : Third
दर्शन : प्रश्न-पत्र : प्रथम
न्यायदर्शन – प्रथम

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (3×15=45)

1. न्यायदर्शनानुसार पञ्चावयव का सप्रमाण वर्णन करें।
2. "तदप्रामाण्यमनृतव्याघातपुनरुक्तदोषेभ्यः" प्रस्तुत सूत्र की सप्रसङ्ग व्याख्या करें।
3. न्यायदर्शन के प्रमाणवाद पर प्रकाश डालें।
4. शब्दानित्यत्ववाद का निरूपण करें।
5. हेत्वाभास के स्वरूप एवं प्रभेदों का उल्लेख करें।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (5×5=25)

6. न्यायदर्शन के अनुसार 'कथा' क्या है? स्पष्ट करें।
7. न्यायोक्त चार प्रमाणों से अतिरिक्त – ऐतिह्य, अर्थापत्ति, सम्भव एवं अभाव भी प्रमाण होते है, इसका वर्णन न्याय में क्यों नहीं किया स्पष्ट करें।
8. 'पूरणप्रदाहपाटनानुपपत्तेश्च सम्भन्धाभावः' प्रस्तुत सूत्र की सप्रसङ्ग व्याख्या करें।
9. 'अर्थवाद' क्या है? सोदाहरण उल्लेख करें।
10. तर्क एवं निर्णय का प्रमाणपूर्वक वर्णन करें।
11. 'धारणाकर्षणोपपत्तेश्च' सूत्र की व्याख्या करें।
12. न्यायदर्शनानुसार छल के स्वरूप एवं प्रकार का उल्लेख करें।

----------X----------